मनुष्यता

मैथिलीशरण गुप्त

प्रदत्त कार्य-1 : नाट्य मंचन

विषय : कविता से संबंधित पौराणिक प्रसंगों व व्यक्तियों से संबंधित नाट्य मंचन (रति देव, दधीचि, राजा शिबि व कर्ण)

उद्देश्य :

- भारत की पौराणिक संस्कृति से परिचय।
- आध्यात्मिक व नैतिक मूल्यों का विकास।
- ज्ञान का विस्तार।
- स्मरण शक्ति का विकास।
- संवाद लेखन व अभिनय कला का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक द्वारा यह कार्य कविता पढ़ाने व समझाने के बाद किया जाएगा।
3. पूरी कक्षा को विभिन्न समूहों में बाँटा जाएगा व प्रत्येक समूह में चार-पांच विद्यार्थी हो सकते हैं।
4. विद्यार्थियों को उपरोक्त चरित्रों के जीवन के विषय में और अधिक जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
5. विभिन्न समूहों को एक-एक चरित्र पर नाट्य मंचन तैयार करने के लिए कम से कम तीन-चार दिनों का समय दिया जाए व प्रत्येक प्रस्तुति के लिए 3-4 मिनट का समय दिया जाए।
6. मूल्यांकन का आधार पहले से ही विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिए जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- नाट्य लेखन
- अभिनय कला
- भाषा

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सभी की प्रस्तुतियों की सराहना।
- सर्वश्रेष्ठ अभिनय व प्रस्तुति की विशेष सराहना।
- नाट्य मंचन संबंधी/संवाद उच्चारण संबंधी सामान्य कमियों के विषय में शिक्षक विद्यार्थियों को अवगत करवाएँगे।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को विद्यालय के मंच पर प्रस्तुत करवाना।

प्रदत्त कार्य-2 : कविता गायन

विषय : 'त्याग', 'बलिदान', सहयोग अथवा परोपकार - विषय से संबंधित किसी अन्य कविता का गायन।

उद्देश्य :

- नैतिक व मानवीय मूल्यों का विकास।
- कलात्मक अभिरुचि का विकास।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।
- चिंतन मनन प्रवृत्ति का विकास।
- प्रस्तुतीकरण शैली का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. विद्यार्थियों को यह कार्य कविता पाठन के पश्चात् करवाया जाए।
3. प्रत्येक विद्यार्थी को परोपकार, त्याग, बलिदान, सहयोग, समर्पण जैसे विषयों में से किसी एक विषय से संबंधित कोई एक कविता ढूंढकर गायन संबंधी कार्य दिया जाएगा।
4. इस कार्य के लिए दो दिनों का समय दिया जाएगा।
5. मूल्यांकन का आधार पहले से ही स्पष्ट कर दिया जाए।
6. एक प्रस्तुति के समय वक्ता के गायन का मूल्यांकन अन्य विद्यार्थियों व शिक्षक द्वारा किया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- कविता का चयन
- उच्चारण क्षमता
- लयबद्ध प्रस्तुति
- स्वर की स्पष्टता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक ध्यान दें कि सभी विद्यार्थी इस कार्य में सक्रिय भाग लें।
- सामान्य अशुद्धियों का शिक्षक द्वारा निवारण किया जाएगा।
- सर्वश्रेष्ठ गायन की सराहना व विद्यालय के मंच पर प्रस्तुति करवाई जाएगी।

प्रदत्त कार्य-3 : कविता लेखन

विषय : कविता की अधूरी पंक्तियों को पूरा करना।

उद्देश्य :

- ज्ञान का विस्तार।
- रचनात्मकता/सृजनात्मकता का विकास।
- कल्पनाशीलता का विकास।
- कविता विधा से परिचय।
- कविता लेखन को प्रोत्साहन।
- वाचन क्षमता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सर्वप्रथम शिक्षक कक्षा को कविता लेखन में तुकबंदी व उसके महत्व के विषय में समझाकर उनके समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। जैसे –

''दया करुणा, क्षमा को जिसने धारण किया

अपने गुणों के बल पर धरा को वश में किया

युगों–युगों तक उसके गौरव की जलती रही ज्वाला

मनुष्य जन्म लेकर जिसने मानवता को मन में पाला।''

2. शिक्षक द्वारा कविता की एक पंक्ति श्यामपट्ट पर लिखी जाएगी व छात्रों को अधूरी पंक्तियों को पूरा करने के लिए कहा जाएगा।

जहाँ नदियों में जीवन बहता है।

.....

.....

.....

सबके हित के लिए जो निज स्वार्थ को तजता है।

.....

.....

.....

मुश्किलों की आंधी से जब हुआ सामना।

.....

.....

.....

3. छात्रों को चार–चार के समूहों में बांटा जाएगा।
4. प्रत्येक समूह किसी एक पद्यांश की पंक्तियां पूरी करेगा।
5. मूल्यांकन का आधार श्यामपट्ट पर लिख दिया जाएगा।
6. प्रत्येक समूह को कार्य पूरा करने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा। प्रत्येक समूह से एक वक्ता कविता वाचन करेगा।
7. जब छात्र अपना कार्य कर रहे होंगे तब शिक्षक घूम–घूमकर छात्रों का निरीक्षण करेंगे व आवश्यकता पड़ने पर छात्रों की सहायता भी करेंगे।
8. एक समूह की प्रस्तुति के समय शिक्षक व अन्य छात्र मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना
- काव्य के अनुसार लयबद्धता
- प्रवाहशील अभिव्यक्ति
- उच्चारण की शुद्धता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी अध्यापक मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।
- अध्यापक पंक्तियाँ पूरी करने के लिए अन्य कोई पंक्तियां भी दे सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण की सराहना की जाए।
- सभी छात्रों द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण अपनी कॉपी में लिखा जाए।
- सामान्य अशुद्धियों को अध्यापक द्वारा शुद्ध किया जाएगा।

प्रदत्त कार्य-4 : 'कार्य प्रपत्र' महात्मा बुद्ध से संबंधित।

उद्देश्य :

- महात्मा बुद्ध के जीवन व मूल्यों से परिचय।
- अहिंसा व करुणा के मूल्यों का विकास।
- ज्ञान का विस्तार।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों से अहिंसा, त्याग, परोपकार व शांति जैसे मूल्यों के विषय में बातचीत करें।
3. विद्यार्थियों को कार्य देने से पहले (कम से कम 10 दिन) महात्मा बुद्ध के विषय में पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

4. विद्यार्थियों को यह कार्य प्रपत्र करने के लिए 10–15 मिनट का समय दिया जाए।

5. जब विद्यार्थी यह कार्य करेंगे तब शिक्षक घूम–घूमकर कक्षा में निरीक्षण करेंगे।

6. विद्यार्थियों को मूल्यांकन का आधार पहले से ही स्पष्ट कर दिया जाए।

कार्य प्रपत्र

क) महात्मा बुद्ध का वास्तविक नाम .....

ख) जन्म स्थल .....

ग) माता–पिता का नाम .....

घ) पत्नी व संतान का नाम .....

ङ) संवेग उत्पत्ति के कारण .....

च) निर्वाण प्राप्ति का स्थान .....

छ) सर्वप्रथम शिक्षा किसे दी .....

ज) किस धर्म के प्रवर्तक थे .....

झ) सुदत्त ने उपहार स्वरूप क्या दिया .....

ञ) प्रिय शिष्य का नाम .....

टिप्पणी : शिक्षक इच्छानुसार अन्य प्रश्न भी शामिल कर सकते हैं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- उत्तर/जानकारी

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक द्वारा सर्वप्रथम व सही कार्य पूरा करने वाले विद्यार्थियों की विशेष सराहना।
- सभी सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।
- विद्यार्थियों को महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित अन्य प्रसंगों को भी सुनाना।

प्रदत्त कार्य-5 : भाषण

विषय : व्यक्ति व समाज परस्परावलंबी है।

उद्देश्य :

- चिंतन-मनन प्रवृत्ति का विकास।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- पूर्व ज्ञान की परख व अनुप्रयोग।
- वाचन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. यह कार्य शिक्षक कविता पाठन के पश्चात् ही करवाएँगे।
3. शिक्षक 'व्यक्ति व समाज एक दूसरे के पूरक हैं' विषय पर विद्यार्थियों से विचार विमर्श करेंगे।
4. विद्यार्थियों को सोचने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा।
5. प्रत्येक विद्यार्थी को विषय पर अपना मत प्रस्तुत करने के लिए 1.5-2 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. मूल्यांकन के आधार पहले ही विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- भाषा
- उच्चारण
- उदाहरणों का प्रयोग
- प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी इस कार्य में सक्रिय रूप से हिस्सा लें।
- सभी विद्यार्थियों के विचार सुनते समय मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।
- सर्वश्रेष्ठ विचारों व प्रस्तुति की सराहना व विद्यालय के मंच पर प्रस्तुति करवाई जाए।